2918

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 9476

Unique Paper Code : 62131216 IC

Name of the Paper : Sanskrit B : Upaniṣad and Gītā

Name of the Course : B.A. (Prog.) Sanskrit-CBCS

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer *All* questions.

P.T.O.

भाग 'क'/Part 'A'

1. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार विद्या और अविद्या को समझाइये। 10

Explain Vidyā and Avidyā according to Īśavāsyopaniṣad.

(अथवा) /*Or*

ईशावास्योपनिषद् के सार को अपने शब्दों में लिखिए।

Write the summary of Īśavāsyopaniṣad in your own words.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : 7½+7½=15

Explain any *two* of the following :

(क) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः।

एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे॥

(ख) अन्धन्तमः प्रविशन्ति येऽविद्यामुपासते।

ततो भूय इव ते तमो य उ विद्यायां रताः॥

(ग) यस्मिन्सर्वाणि भूतान्यात्मैवाभूद्विजानतः।

तत्र को मोहः कः शोक एकत्वमनुपश्यतः॥

(घ) हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।

तत्त्वं पूषन्नपावृषणु सत्यधर्माय दृष्टये॥

भाग 'ख'/Part 'B'

3. गीता के द्वितीय अध्याय को आधार बनाकर कर्म सिद्धान्त पर एक लेख लिखिए। 10

Write an article on the concept of karma on the basis of the second chapter of Gītā.

(अथवा)/*Or*

गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर स्थितप्रज्ञ का वर्णन कीजिए।

Describe sthitaprajña on the basis of the second chapter of Gītā.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : 8+8=16

Explain any *two* of the following :

(क) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः।
उभयोरपि दृष्टोऽन्तस्त्वनयोस्तत्वदर्शिभिः॥

(ख) योगस्थः कुरु कर्माणि सङ्गं त्यक्त्वा धनञ्जय।
सिद्ध्यसिद्ध्योः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते॥

(ग) हतो वा प्राप्यसि स्वर्गं जित्वा वा भोक्ष्यसे महीम्।
तस्मादुत्तिष्ठ कौन्तेय युद्धाय कृतनिश्चयः॥

(घ) प्रजहाति यदा कामान् सर्वान् पार्थ मनोगतान्।
आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते॥

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 6+6=12

Write short notes on any *two* of the following :

त्रिगुण, इन्द्रियाँ, सांख्यबुद्धि, समत्व बुद्धि।

भाग 'ग'/Part 'C'

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 6+6=12

Write short notes on any *two* of the following :

ब्रह्म, सृष्टि, जीवात्मा, सृष्टि प्रक्रिया।